चांदी में निवेश से जोरदार मुनाफे का बना कनेक्शन

एमसीएक्स पर पिछले कॉन्ट्रैक्ट में डीलरों ने ली चांदी की रिकॉर्ड 92.22 टन की डिलीवरी; 12-13 फीसदी रिटर्न की उम्मीद

राम सहगल
मुंबई

सालाना 12-13 फीसदी ब्याज मिलने का अवसर भुनाने के लिए कई धनी रीटेल निवेशकों ने स्थानीय कमोडिटी एक्सचेंज एमसीएक्स पर हाल में पूरे हुए कॉन्ट्रैक्ट में अच्छी-खासी मात्रा में चांदी की डिलीवरी ली और उसकी फॉरवर्ड बिक्री का सौदा किया। यह जानकारी बुलियन डीलरों और एक ब्रोकर ने दी।

5 दिसंबर को निपटे कॉन्ट्रैक्ट में सिल्वर डिलीवरी का कुल वॉल्यूम 92.22 टन रहा और इसकी कीमत 511.83 करोड़ रही। यह पिछले तीन साल में चांदी की सबसे बड़ी डिलीवरी थी। कॉन्ट्रैक्ट में चांदी का भाव 55,501 रुपए प्रति किलो पर तय हुआ। दिसंबर 2008 में डिलीवरी का आकार 142 टन था।

अहमदाबाद की पार्कर बुलियन के डायरेक्टर वासु आचार्य ने कहा, 'वित्तीय निवेशक दिसंबर में खरीदारी और मार्च में बिकवाली से 12-13 फीसदी की आय हासिल करने का अवसर भुनाना चाहते हैं।' आचार्य ने कहा, 'यह किसी भी बैंक सावधि जमा की तुलना में अधिक रिटर्न है। ऐसे में कोई भी निवेशक इस अवसर को छोड़ना नहीं चाहता है।' आचार्य की कंपनी ने एक्सचेंज पर 4

टन चांदी की डिलीवरी की। नजदीकी महीने के कॉन्ट्रैक्ट में कमोडिटी की डिलीवरी लेकर ऊंची कीमत पर उसी का फॉरवर्ड सौदा करना कैलेंडर स्प्रेड कहा जाता है। एमसीएक्स जैसे वायदा एक्सचेंज निवेशकों या हेज करने वाले लोगों को तय कीमत पर वायदा में कमोडिटी की डिलीवरी लेने या देने की इजाजत देते हैं। ब्रोकर एचएनआई सहित निवेशकों की ओर से सौदे करते हैं। एंजेल, कार्वी, रेलिगेयर, एसएमसी कॉमट्रेड सहित कई दूसरे ब्रोकर हैं, जिनके यहां निवेशक अपना डीमैट खाता खुलवाकर कमोडिटी में ट्रेड कर सकते हैं।

ऋद्धिसिद्धि बुलियंस के पृथ्वीराज कोठारी ने कहा, 'डिलीवरी लेने की घटनाएं अच्छे संकेत की ओर इशारा कर रही हैं। इससे निवेशकों की रुचि धातुओं में अभी भी बने रहने के संकेत मिलते हैं।'

देशभर में 5 राष्ट्रीय और 16 क्षेत्रीय कमोडिटी एक्सचेंज पर वायदा कारोबार के नियामक फॉरवर्ड मार्केट्स कमीशन (एफएमसी) के आंकड़ों के मुताबिक बहुमूल्य और आधार धातुओं में चांदी अग्रणी कमोडिटी है। सितंबर तिमाही में इसमें जबरदस्त कारोबार हुआ है। इस अवधि में निवेशकों और हेज करने वाले लोगों ने 17.77 लाख करोड़ रुपए की वैल्यू के बराबर 3 लाख टन का कारोबार किया है।

जेआरजी वेल्थ मैनेजमेंट के रिसर्च हेड हरीश गलिपेल्ली का कहना है, 'इस समय कमोडिटी निवेशकों को सावधि जमा और शेयरों जैसे परंपरागत निवेश विकल्प की तुलना में अधिक रिटर्न का अवसर दे रहा है। इसमें चांदी सबसे आकर्षक निवेश विकल्प के तौर पर उभरा है।' इस समय चांदी 56,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रहा है।

यह इस साल 25 अप्रैल को 75,700 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया था। चांदी में भारी-भरकम गिरावट आने से खुदरा निवेशकों को तगड़ा झटका लगा था। कई निवेशकों ने इस सोच के साथ चांदी में निवेश किया था कि यह 1 लाख रुपए का स्तर पार कर सकता है। भारी-भरकम रिटर्न की आस में निवेश करने वाले निवेशकों की उम्मीदों पर पानी फिर गया था।